माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
[redacted]	1 1 9	हिन्दी

[redacted] निशान ↓ से मिलाकर लगाये

[redacted]

5569554

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक **B-23**

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

2	3	6	3	2	5	5	1	3

[redacted] तीन

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

प्रश्न पत्र का सेट A

:– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 16

:– परीक्षा का दिनांक 18 03 2023

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

2022-23

केन्द्राध्यक्ष
हायर सेकेण्डरी परीक्षा
केन्द्र क्रमांक-631006

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
Manisha Manisha	N Bhatnagar

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
K.K. TOPPO 71V12416	INDIRA TIWARI 71V12423

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।
प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्ठी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
26		
27		
28		

www.nevsjbmp.com

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 2 के अंक कुल अंक

EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र-01

उ० 1 कालीबंगन

उ० 2 वी० एस० सुकथांकर

उ० 3 विनय पिटक

उ० 4 1336 ई०

उ० 5 1813 ई०

उ० 6 मेरठ

प्रश्नोत्तर क्र-02

(i) सिन्धु घाटी सभ्यता मे बाट चर्ट नामक पत्थर से बनाए जाते थे।

(ii) धर्मशास्त्र मे विवाह के आठ प्रकारो का वर्णन है।

(iii) जैन परम्परा के अनुसार महावीर स्वामी 24 वें तीर्थंकर थे।

(iv) किताब-उल-हिन्द अल-बिरुनी की रचना है।

(v) शाह नहर की मरम्मत शाहजहाँ के शासनकाल

www.newsjobmp.com

③

प्रश्न क्र.

में हुई।

(vi) दक्कन विद्रोह सूपा जिले से प्रारंभ हुआ।

(vii) शाही नौ सेना के सिपाहियों ने सन 1946 में विद्रोह किया।

प्रश्नोत्तर क्र-03

(i) देवपुत्र	–	कुषाण शासक
(ii) संथाल विद्रोह	–	सिधु मांझी
(iii) रिहला	–	इब्नबतूता
(iv) जंस-ए-कामिल	–	सर्वोत्तम फसलें
(v) आजीवक परम्परा	–	मक्खलि गोसाल
(vi) विशाल स्नानागार	–	मोहनजोदड़ो

प्रश्नोत्तर क्र०-4

उ०(i) हड़प्पा सभ्यता के सबसे लम्बे अभिलेख 26 चिन्ह हैं।

उ०(ii) प्रयाग प्रशस्ति हरिषेण की रचना है।

उ०(iii) साँची की खोज सन 1818 में हुई।

BSE
www.newsjobmp.com

प्रश्न क्र

उ० (i) फ्रांस्वा बर्नियर ने मुगलकालीन शहरों को शिविर नगर कहता है।

उ० (ii) खानकाह का नियंत्रक शेख (मुर्शीद) होता था।

उ० (v) आइन-ए-अकबरी, अबुल फज़ल ने की रचना है

उ० (v) क्रिप्स मिशन सन् 1942 में भारत आया।

उ० (v) खानकाह का नियंत्रक शेख (मुर्शीद) होता था।

प्रश्नोत्तर क्र - 05

B (i) सुदर्शन झील की मरम्मत रुद्रदमन ने करवायी। सत्य

S (ii) मीरा बाई के गुरू कबीरदास जी थे। असत्य

E (iii) 1976 में हम्पी को राष्ट्रीय महत्व के स्थल के रूप में मान्यता मिली। सत्य

(iv) जमींदारों की निजी भूमि मिकिल्यत कहलाती थी। सत्य

(v) असहयोग आन्दोलन की शुरूआत 1930 में हुई। असत्य

(vi) संविधान सभा में उद्देश्य प्रस्ताव जवाहर लाल नेहरू ने प्रस्तुत किया। सत्य

www.newsjobmp.com

5

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र - 06

★फयान्स★

(Faience)

फयान्स ~~चि~~ घिसी हुई रेत, बालू, रंग तथा चिपचिपे पदार्थ के मिश्रण को आपस में मिलाकर बनाया था। फयान्स से बने लघुपात्र बहुत कीमती माने जाते थे।

प्रश्नोत्तर क्र - 07

★फ्रांस्वा बर्नियर★

फ्रांस का रहने वाला फ्रांस्वा बर्नियर एक चिकित्सक, राजनीतिक, दार्शनिक तथा इतिहासकार था। कई अन्य लोगों की तरह वह मुगल दरबार से ~~ह~~ में अवसरों की तलाश में आया। बर्नियर 1656 से 1668 तक मुगल दरबार से घनिष्ठ रूप से जुड़ा रहा।

प्रश्नोत्तर क्र - 8 (अथवा)

भक्ति परम्परा को दो भागो में विभाजित किया जाता है:-

सगुण भक्ति	निर्गुण भक्ति
(विशेषण सहित) इसमे- शिव, विष्णु व देवी की आराधना मूर्त रूप में की जाती थी।	(विशेषण विहीन) इसमें निर्गुण, निराकार ईश्वर की उपासना की जाती थी।

BSE
www.newsjobmp.com

EDUCATION,MADHYPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOF

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र- 09 (अथवा)

★अमर नायक★

अमर नायक सैनिक कमांडर होते थे। इन्हें रायों द्वारा प्रशासन के लिए भू-क्षेत्र दिए जाते थे। ये किसानों, व्यापारियों तथा शिल्पकारों से भू-राजस्व व अन्य कर वसूलते थे। अमर नायक वर्ष में एक बार राजा को भेंट किया करते थे तथा अपनी स्वामीभक्ति प्रकट करने के लिए राजकीय उपहारों के साहित स्वयं भी दरबार में उपस्थित होते थे।

प्रश्नोत्तर क्र- 10

★खुदकाश्त★

खुदकाश्त वे किसान थे जो उन्ही गाँवो में रहते थे जहाँ उनकी जमीनें होती थी।

प्रश्नोत्तर क्र- 11

★सूर्यास्त विधि कानून★

~~सूयस्ति~~ सूर्यास्त विधि कानून के अनुसार यदि निश्चित तारीख ~~तक~~ को सूयस्ति तक जमींदार द्वारा ~~भू~~ राजस्व का भुगतान नहीं किया जाता था तो उसकी जमींदारी निलाम की जा सकती थी।

D
S
E

www.newsjunkie.com

BSE

www.newsidbmp.com

प्रश्नोत्तर क्र-12

मौलवी अहमदउल्ला शाह एक पालकी में बैठकर चलते थे। पालकी के आगे-आगे ढोल तथा पीछे इनके समर्थक चलते थे इसलिए लोग इन्हें "डंका शाह" कहते थे।

प्रश्नोत्तर क्र-13

लाल	बाल	पाल
लाला लाजपतराय	बाल गंगाधर तिलक	विपिनचन्द्र पाल

इन तीनो को लाल, पाल, बाल के नाम से जाना जाता था।

प्रश्नोत्तर क्र-14 (अथवा)

सरदार पटेल के अनुसार:- "पृथक निर्वाचिका हमारी राजनीति में एक विष के समान है। अगर तुम इस देश में शान्ति चाहते हो तो पृथक निर्वाचिका की माँग को छोड दो। पृथक निर्वाचिका ने विभिन्न समुदायो को एक-दुसरे से भिड़ा दिया तथा देश के विभाजन का कारण बनी।"

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र - 15 (अथवा)

गोविन्द वल्लभ पंत के अनुसार:- "किसी लोकतन्त्र की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि वह समाज के विभिन्न समुदायों के बीच कितना आत्मविश्वास पैदा कर पाता है।

BSE

www.newsjobmp.com

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र-16 (अथवा)

महाभारत भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे समृद्ध ग्रंथ है। निम्न कारणों से महाभारत को एक गतिशील ग्रंथ कहा है:-

(i) महाभारत की कहानी केवल संस्कृत के श्लोकों के साथ ही समाप्त नही हो गई है बल्कि शताब्दियों में इसमें अनेक कथाएँ जुड़ती गई है।

(ii) महाभारत की मूल कथा के बारे में कई पुर्नव्याख्याएँ भी की जा चुकी है।

(iii) महाभारत की कथा को कई बार नाटकों तथा उपन्यासों में अभिनय के माध्यम से भी प्रस्तुत किया गया है।

(iv) महाभारत में मनुस्मृति से मिलते-जुलते कई अंश भी जोड़े है।

(v) महाभारत में दिए गए सभी सामाजिक, आर्थिक तथा धार्मिक नियमों का पालन आज भी समाज द्वारा किया जाता है।

(vi) महाभारत के उपदेशात्मक अंश में दी गई कहानियों में वर्तमान समाज के लिए एक सबक निहित है।

उपरोक्त कारणों से महाभारत का लगातार विस्तार होता गया है इसलिए यह एक गतिशील ग्रंथ है।

BSE

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र

प्रश्नोत्तर क्र- 18 (अथवा)

महानवमी डिब्बा विजयनगर साम्राज्य के राजकीय केन्द्र में स्थित है।

यह एक विशालकाय मंच है जो 11 हजार वर्गफीट के आधार से 40 फुट की उच्च ऊँचाई तक जाता है।

साक्ष्यों के अनुसार इस पर एक लकड़ी की संरचना बनी थी और इसका आधार उभारदार उत्कीर्णन से पटा हुआ था।

BSE

★ महानवमी डिब्बा का सांस्कृतिक महत्व ★

इस संरचना से जुड़े अनुष्ठान सितम्बर और अक्टूबर माह में म मनाए जाने वाले दस दिन के हिन्दू त्यौहार के नाम से जाने जाते थे।

★ प्रमुख त्यौहार ★

दशहरा	दुर्गा पूजा	नवरात्री या महानवमी
उत्तरी भारत	बंगाल	प्रायद्वीपीय भारत

इस संरचना पर मनाए जाने वाले दिना त्यौहारों के अवसर पर विजयनगर शासक अपने ताकत, रुतबे तथा अधिराज्य का प्रदर्शन करते थे।

www.newsjobmp.com

प्रश्न क्र

(ii) नृत्य, कुश्ती प्रतिस्पर्धा, साज लगे घोड़े, राजा और और उसके अधीनस्थ राजाओ को दी जाने वाली औपचारिक भेंट अवसर के प्रमुख आकर्षक होते थे।

(iv) इन अवसरो पर राजा अपने नायकों की सेनाओं का खुले मैदान मे आयोजित भव्य समारोह के दौरान निरीक्षण करते थे।

(v) इन अवसरो मे भैंसो व अन्य जानवरो की बली तथा राज्य के अश्व की पूजा भी सम्मिलत है।

B
S
F
www.newsjobmp.com

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र - 19 (अथवा)

अंग्रेजो ने 1857 के विद्रोह को कुचलने के लिए नि. लि. कदम उठाए:-

(i) उत्तर भारत को दोबारा जीतने से पहले व सैनिक टुकड़ियों को रवाना करने से पहले अंग्रेजों ने फौजियों की आसानी के लिए कई कानून पारित किए।

(ii) मई जून 1857 मे पारित इन कानूनो के अंग्रेज फौजियों तथा आम अंग्रेजो को भी ऐसे भारतीयो को जेल मे डालने का अधिकार दे दिया गया जिनमे विद्रोह मे शामिल होने का शक था।

(iii) कानून कानून और ~~मुक~~ मुकदमे की सामान्य प्रक्रिया को रद्द कर दिया गया अब विद्रोह की केवल एक ही सजा हो सकती थी- सजा-ए-मौत।

(iv) अंग्रेजो ने दो तरफा हमला बोला एक तरफ पंजाब से तथा दूसरी तरफ कलकत्ता से।

(v) अंग्रेजो के दो तरफे हमले की ~~नि~~ वजह से दिल्ली मे बहुत हानि हुई क्योकि सारे विद्रोही दिल्ली को बचाने के लिए वहा आ जुडे थे।

(vi) अंग्रेजो ने सैनिक ताकत का भी भयानक पैमाने पर प्रयोग किया।

B
S
E

श्न क्र.

(vii) अंग्रेजो ने जमींदारो व काश्तकारो को यह आश्वासन दिया कि उन्हे उनकी जागीरें लौटा दी जाएगी। इस प्रकार अंग्रेजो ने इनकी एकता तोड़ने भी प्रयत्न किया।

BSE

www.newsjobmp.com

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न .

प्रश्नोत्तर क्र-20

जनपद का अर्थ होता है एक ऐसा भूखण्ड जहाँ कोई लोग, कुल या जनजाति अपना पाँव रखता है अथवा बस जाता है। जो जनपद अत्यधिक शक्तिशाली होते थे उन्हें महाजनपद कहा जाता था। महाजनपदो का विकास छठी शताब्दी ई. पू. से छठी शताब्दी ईस्वी के मध्य हुआ।

★महाजनपदों की विशेषताएँ★

B
S
E

i) बौद्ध तथा जैन धर्म के आरंभिक ग्रंथो मे महाजनपद नाम से 16 राज्यो का उल्लेख मिलता है।

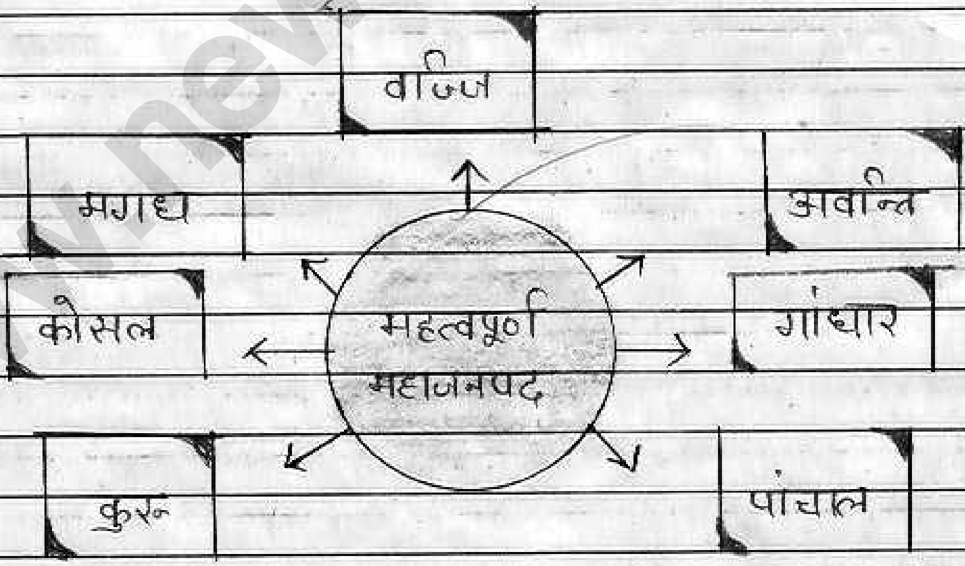

ii) अधिकांश महाजनपदो पर राजाओ का शासन होता था लेकिन गण और संघ के नाम से प्रसिद्ध राज्यो मे लोगो का समूह शासन करता था।

iii) इस समूह का प्रत्येक व्यक्ति राजा कहलाता था,

www.newsjobmp.com

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

भगवान बुद्ध और भगवान महावीर इन्हीं गणों से सम्बन्धित थे।

(ii) वज्ज संघ की भांति कई राज्यों पर भूमि और अनेक आर्थिक स्रोत पर राजाओं का नियंत्रण होता था।

(i) प्रत्येक महाजनपद की एक राजधानी होती थी जिसे प्रायः किले से घेरा जाता था। किलेबन्द राजधानियों तथा प्रारंभी सेनाओं के नौकरशाही के लिए भारी आर्थिक स्त्रोतो की आवश्यकता होता थी।

(ii) महाजनपदों के राजा अब जनता द्वारा लाए गए उपहारों के बजाए नियम कर से प्राप्त राशि पर निर्भर रहने लगे थे। कर निर्धारण की व्यवस्था इस प्रकार थी:-

- कर निर्धारण मे खेती से मिलने वाला राजस्व प्रमुख था, क्योंकि अधिकांश प्रजा कृषक थी। यह कर उपज का 1/6 वाँ हिस्सा होता था जिसे भाग कहते थे।
- जंगलवासियों तथा शिकारियों को जंगल से प्राप्त वस्तुएँ कर के रूप मे देनी होती थी।
- व्यापारियों को सामान खरीदने तथा बेचने पर कर देना होता था।
- बढ़ई, नाई आदि को श्रम के रूप मे कर देना होता था अर्थात् इन्हे राजा के लिए (महीने में) एक दिन काम करना होता था।

BSE

EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA ... BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD

प्रश्न :

(ii) महाजनपदों के राजाओं के लिए सम्पत्ति जुटाने का वैध उपाय पड़ोसी राज्य पर आक्रमण करके धन सम्पत्ति जुटाना था।

(vi) महाजनपदों मे लगभग इस समय ब्राह्मणों ने धर्मसूत्र व धर्मशास्त्र नामक ग्रंथों की रचना की जिसमे शासक सहित अन्य के लिए नियमों का निर्धारण होता था।

महाजनपदों की अन्य विशेषताओं को एक सबसे शक्तिशाली महाजनपद मगध का विशेषताओं द्वारा स्पष्ट किया जाता है:-

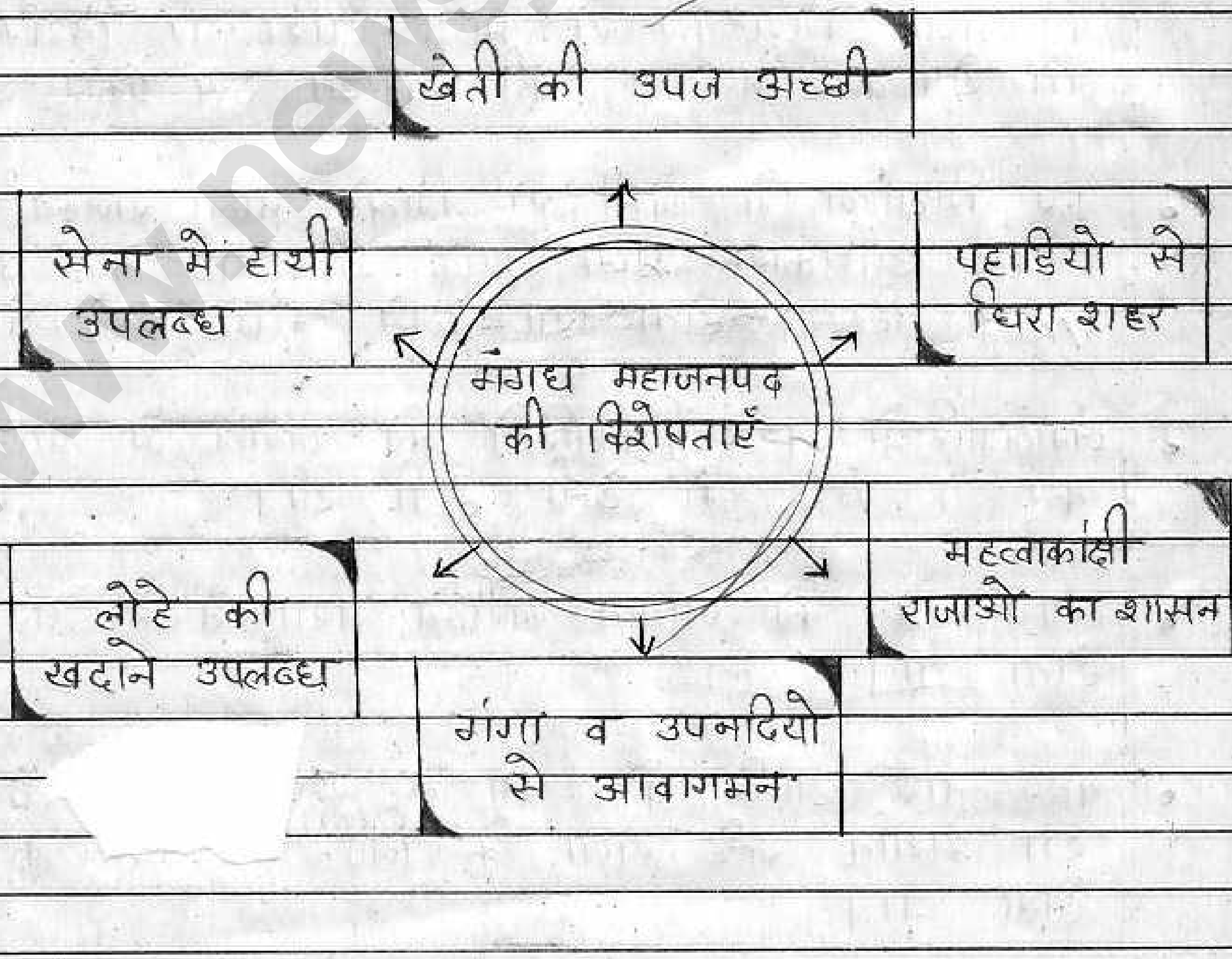

B S E

www.newsjobmp.com

ION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH BHOPALBOARDOF

प्रश्नोत्तर क्र - 21

★ कर्नाटक की वीरशैव परम्परा ★

(i) 1 वी शताब्दी मे कर्नाटक मे एक नवीन आन्दोलन का ादुर्भाव हुआ।

(ii) स आन्दोलन का नेतृत्व वासबन्ना नामक एक ब्राह्मण ने किया।

(iii) बसवन्ना कलाचुरी नामक राजा के दरबार में मंत्री थे। नके अनुयायी वीरशैव (शिव के वीर) व लिंगायत (लिंग ो धारण) करने वाले कहलाए।

(iv) आज भी लिंगायत समुदाय का इस क्षेत्र में महत्व है। ये शिव की आराधना लिंग के रूप मे करते है।

(v) स समुदाय के पुरुष वाम स्कंध पर चाँदी के एक लघु पटारे मे लघु लिंग को धारण करते है जिसे श्रद्धा की दृष्टि से देखा जाता है।

(vi) नमे जंगम अर्थात यायावर भिक्षु शामिल है।

(vii) लिंगायतो का विश्वास है कि मृत्योपरांत भक्त शिव मे लीन हो जाएंगे और इस संसार मे पुनः नहीं लौटेंगे।

(viii) धर्मशास्त्र मे बताए गए श्राद्ध संस्कार का ये पालन

BSE
www.newsbmp.com

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न

नही करते तथा अपने मृतको को विधि पूर्वक दफनाते है।

लिंगायतो ने जाति की अवधारणा तथा कुछ समुदाय की दूषित होने की ब्राह्मणीय विचारधारा का इन्होने विरोध किया।

इस कारक जिन लोगो को ब्राह्मणीय समाज मे गौण स्थान प्राप्त था वे लिंगायतो के अनुयायी हो गए।

धर्माचार्यो ने जिन आचारो व सिद्धांत को अस्वीकार किया लिंगायतो ने उन्हे मान्यता प्रदान की जैसे:-

- वयस्क विवाह
- विधवा पुनर्विवाह

(x) लिंगायतो मे पुनर्जन्म के सिद्धांत पर भी प्रश्नवाचक चिन्ह लगाया।

(xi) वीरशैव परम्परा की व्युत्पत्ति उन वचनो से हुई है जो कन्नड मे उन स्त्री पुरुषों द्वारा गाए जाते थे जो इस आन्दोलन में शामिल हुए।

लिंगायतो का नेतृत्व करने वाले ब्राह्मण बासवन्ना के विचारो को उनके वचनो द्वारा भी समझा जा सकता है:-

BSE
www.newsjobmp.com

प्रश्न क्र

बासवन्ना के वचन

"जब वे एक पत्थर से बने साँप को देखते हैं तो उसे दूध चढ़ाते हैं अगर असली साँप सामने आ जाए तो कहते हैं-

"मारो मारो"

ईश्वर का वह भक्त जो भोजन परोसने पर खा सकता है उसे कहते हैं "जाओ-जाओ" लेकिन ईश्वर की प्रतिमा जो खा नहीं कर सकती उसे व्यंजन परोसते हैं।"

www.newsbmp.com

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र

प्रश्नोत्तर क्र - 22 (~~अथवा~~)

महात्मा गाँधी सन 1915 मे भारत आए। महात्मा गाधी मे तब से अपनी प्रत्येक गतिविधि के माध्यम से न केवल भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन का स्वरूप बल्कि वे स्वयं भी एक जन नेता के रूपी मे उभरे। गाँधीजी अपनी नि॰ लि॰ गतिविधियो के माध्यम से एक जन नेता बन गए:।

★स्वधीनता आन्दोलन का नेतृत्व★

गाधीजी ने ~~सर्वप्रथम~~ 1921 मे राष्ट्रीय स्तर पर असहयोग आन्दोलन चलाया। इसमें जो लोग ब्रिटेश राज का खात्मा करना चाहते थे बड़े बडी संख्या मे शामिल हुए।

(i) गांधीजी ने 1917 मे तथा 1918 मे खेडा, गुजरात तथा अहमदाबाद मे आन्दोलन के माध्यम गरीब किसानो तथा काश्तकारो की अनेक समस्याओ का समाधान किया।

(ii) गांधीजी ने 1930 मे सविनय अवज्ञा आन्दोलन आरंभ किया तथा 1942 मे भारत छोडो आन्दोलन प्रारंभ करके प्रत्येक भारतीय को स्वतन्त्रता ~~मे~~ के प्रति अवगत कराया।

(i) गांधीजी ने कांग्रेस का कुल 27 वर्षो तक नेतृत्व किया तथा सभी कांग्रेस के सभी सदस्यो के साथ अपने विचारो को आगे बढाया।

B S E
www.newsibmp.com

(21)

योग... पृ. 21 के अंक ... कुल अंक

प्रश्न क्र.

समाज सुधार के कार्य

(i) गांधीजी जितने राजनीतिक थे उतने ही वे सामाजिक कार्यों में भूमिका निभाते थे।

(ii) गांधीजी ने सभी भारतीयो को समझाया कि -स्वतंत्रता के लिए आपको मिलकर संघर्ष करना होगा। एक मत के भारतीयो को दूसरे मत के भारतीयो के प्रति सच्चा संयम लाना होगा।

(iii) गांधीजी ने भारतीय समाज में व्याप्त जातिवाद, छुआ-छूत जैसी सामाजिक बुराईयो को दूर करने का भी प्रयास किया।

सादी जीवन शैली

(i) गांधीजी ने गरीबो तथा किसानो के साथ तादात्म्य स्थापित करने के लिए सीधी-सादी जीवन शैली को अपनाया।

(ii) जहाँ भारतीय नेता पश्चिमी पोशाक के बन्दगला परिधान पहनते थे वही गांधीजी गरीबो के मध्य एक सादी धोती में जाते थे।

(iii) किसानो के अनुसार:- "गांधीजी भीड़ से अलग खड़े नहीं होते थे बल्कि वे उनसे समानुभूति रखते थे। गांधीजी आम लोगो की भाषा में ही बात करते थे।

BSE
www.mpboard.com

प्रश्न क्र.

(i) किसान गांधीजी की सात्विक जीवन शैली से बहुत अधिक प्रभावित थे वे उन्हे गाँधी महाराज गाँधी महाराज कहने लगे।

(ii) ~~1922~~ में दक्षिण भारत की अपनी यात्रा के दौरान गाँधी ने सिर मुँडवा लिया ताकि वे लोगो के साथ तादात्मय स्थापित कर सके।

★ हिन्दू-मुस्लिम एकता का प्रयत्न ★

(i) गाँधीजी ने हिन्दू-मुस्लिम एकता पर विशेष बल दिया। इसके लिए उन्हे खिलाफत व असहयोग दोनो आन्दोलनो को एक साथ ~~कर~~ मिला दिया।

(ii) गाँधीजी का मानना था कि इस देश की आजादी केवल सभी लोगो के एकता से काम करने से ही संभव है।

★ स्त्रियो का उद्धार ★

(i) गाँधीजी ने स्त्रियो के उद्धार के लिए बहुत संघर्ष किया। इसी कारण से इनके आन्दोलन में स्त्रियो ने अपना बहुत योगदान दिया।

(ii) गाँधीजी ने दमित जातियो के उद्धार के लिए भी संघर्ष किया वे सदैव को साथ लेकर चलते थे।

www.newsbmp.com

(23)

पृष्ठ 23 के अंक कुल अंक

प्रश्न क्र.

(ii) गांधीजी ने दमित जातियों व अल्पसंख्यकों को हरिजन कहकर सम्बोधित किया।

(iv) गांधीजी ने ऊँची जातियों को सम्बोधित करते हुए कहा है :- "स्वराज के लिए आपको उनको उन गलतियों का प्रायश्चित करना होगा जो आपने अछूतों के साथ की है सिर्फ नमक या अन्य करों के खत्म हो जाने से आपको स्वराज नहीं मिल जाएगा"।

इस प्रकार अपने आन्दोलनों व कार्यों द्वारा गांधीजी के ऐसे जननेता के रूप उभरे जो सभी को समान मानते थे व सभी का सम्मान करते थे।

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र- 17 (अथवा)

अमरावती का स्तूप बौद्धों का सबसे महान व शानदार स्तूप था। यह बौद्ध धर्म का सबसे बड़ा केन्द्र था, लेकिन नि. लि. कारणों से यह स्तूप नष्ट हो गया:-

i) कुछ इतिहासकारों का मत है कि शायद अमरावती की स्तूप की खोज थोड़ी पहली हो गई जब तक विद्वान यह नहीं समझ पाए थे कि किसी पुरावशेष को उसकी खोज की जगह पर ही बने रहने कितना महत्वपूर्ण था।

ii) 1796 में एक स्थानीय राजा को जो मन्दिर बनाना चाहते थे अचानक र अमरावती को स्तूप के पत्थर प्राप्त हुए उन्हे उन्होंने इनका प्रयोग करने की सोची।

iii) कई ब्रिटिश अधिकारियों के बगीचो मे अमरावती के स्तूप की मूर्तियाँ पाना कोई आसामान्य बात नहीं थी।

iv) हर नया अधिकारी यह कहते हुए यहाँ कि मूर्तियाँ इसलिए यह कहकर उठाकर ले गए कि उसके पहले के अधिकारियों ने भी ऐसा ही किया है।

इस प्रकार अमरावती का सारा गौरव नष्ट हो गया और वह एक छोटा-सा टिला बनकर रह गया।

ESE

www.newsjobmp.com

भत

प्रश्न क्र

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

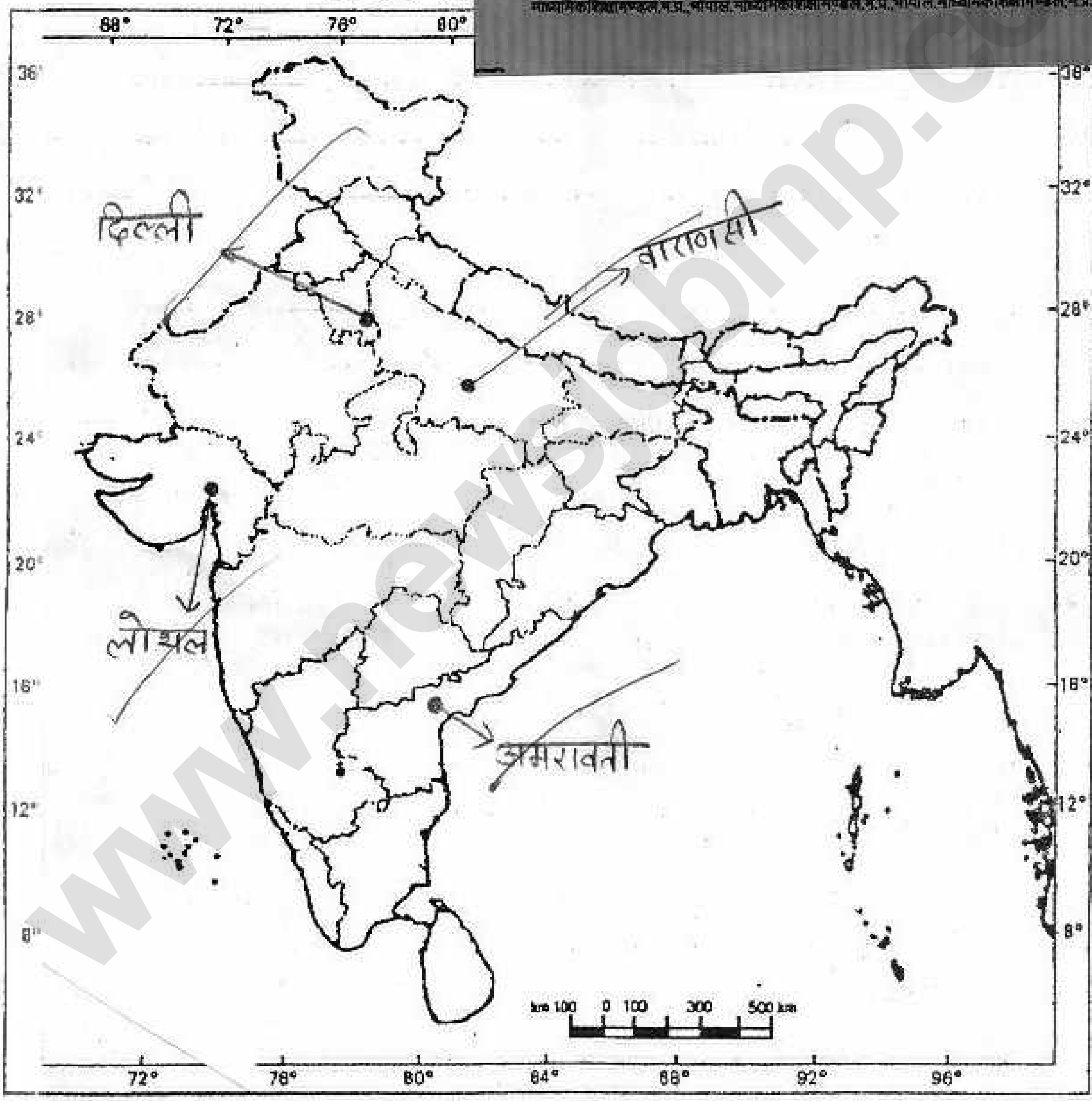

www.newsbmp.co

अपने व्हाट्सएप नंबर पर मध्यप्रदेश की स्कूल,कॉलेज,सरकारी एवं प्राइवेट नौकरियों की जानकारी प्राप्त करने के लिए +917247520304 दिए गए व्हाट्सएप नंबर पर व्हाट्सएप में MP लिखकर भेजें (पहले नंबर newsjobmp.com के नाम से सेव करें फिर आपने जिले का नाम लिखकर व्हाट्सएप पर मैसेज भेजें)